Patrika (Indore), 31st May 2020, Page-6

बढ़ेंगे सेक्शन, मैस में भी बदलेगी बैठक व्यवस्था

जुलाई में लौटेंगे आईआईटीयन, अगस्त से शुरू होंगी क्लासेस

इंदौर. लॉकडाउन 4.0 के बाद नई रणनीति के साथ कामकाज की शुरुआत होने लगी है। इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (आईआईटी), इंदौर ने संक्रमण की आशंका खत्म करने के लिए महत्वपूर्ण योजना तैयार की। अलग-अलग शहरों से लौटने वाले सभी छात्र-छात्राओं के साथ स्टाफ व फैकल्टी को भी 14 दिनों तक क्वॉरंटीन रहना होगा। सोशल डिस्टेंसिंग के लिए आईआईटी होस्टल, मैस और क्लास रूम की बैठक व्यवस्था में भी बदलाव कर रहा है। देश में कोविड 19 की दस्तक के साथ ही आईआईटी में टास्क फोर्स बनाई गई थी। तत्काल छात्र-छात्राओं की जांच कर उन्हें उनके घर पहुंचाने का जिम्मा उठाया और इसके बाद पूरा परिसर सेनिटाइज किया गया। लॉकडाउन 4.0 के बाद अब फिर से पढ़ाई और रिसर्च शुरू कराने की तैयारी की गई है। जुलाई के अंतिम सप्ताह तक छात्र-छात्राएं लौट आएंगे। सभी से सेल्फ डिक्लेरेशन फॉर्म भरवाते हुए जानकारी ली जाएगी कि इस अवधि में वे किसी संक्रमित के संपर्क में तो नहीं आए। हालांकि, उनके लौटते ही पढ़ाई शुरू नहीं होगी क्योंकि प्रबंधन ने सभी के लिए 14 दिनों की क्वॉरंटीन अवधि निर्धारित की है। इनके ठहरने के लिए भी अलग से इंतजाम किए जा रहे हैं। पहले से मौजूद होस्टल में सिर्फ 40 फीसदी विद्यार्थियों को ही रखा जाएगा। बाकी 60 फीसदी विद्यार्थी नए होस्टलों में रुकेंगे। आईआईटी के मीडिया प्रभारी डॉ. सुनील कुमार ने बताया, क्लास रूम की बैठक व्यवस्था भी पूरी तरह से बदली जा रही है। मैस में भी ऐसे इंतजाम रहेंगे जिससे छात्र एक-दूसरे के संपर्क में न आएं।